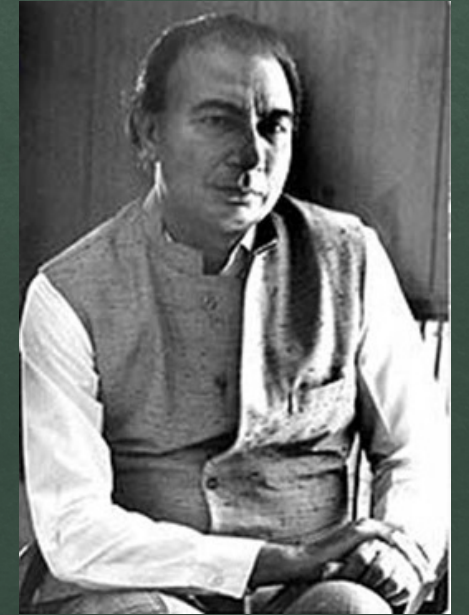


साथी हाथ बढाना

साहिर लुधियानवी



मुख्य बिंदु

पाठ मज़दूरों और मेहनत करने वालों से संबंधित है।

कवि सभी मेहनत करने वालों से साथ मिलकर काम करने के लिए कहते हैं।

साथ मिलकर काम करने से कोई भी कठिनाई हमारा रास्ता नहीं रोक सकती है।

कवि कहते हैं कि कल तक हमने दूसरों के लिए काम किया आज हमें अपने देश को आगे बढ़ाने के लिए ईमानदारी से काम करना चाहिए।

एक साथ मिलकर काम करने से इंसान अपनी किस्मत को भी वश में कर सकता है।

पाठ का सार

‘साथी हाथ बढ़ाना’ कविता साहिर लुधियानवी द्वारा रचित है। इसमें संगठन पर जोर दिया गया है। साथमिलकर काम करने से काम कम हो जाता है, मुसीबतें कम हो जाती हैं, काम बोझ नहीं लगता और रास्ते स्वयं बनने लगते हैं। परिश्रम से मनुष्य भाग्य को बदल सकता है। संगठन से राई पहाड़ बन सकती है, बूंद नदी बन सकती है। कठिनाइयों से घबराना नहीं चाहिए। ईमानदारी और सच्चाई का रास्ता नहीं छोड़ना चाहिए। मिलकर काम करने से आनंद और लक्ष्य की प्राप्ति होती है। मनुष्य स्वयं ही अपना भाग्य निर्माता होता है।